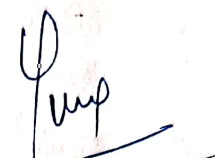


02/04/25

पत्रावली पेश हुई। तकील अमपपस उपस्थित, बहस सूनी गयी। पत्रावली वाले ओदेश दि. 06/04/25 को पेश हो।

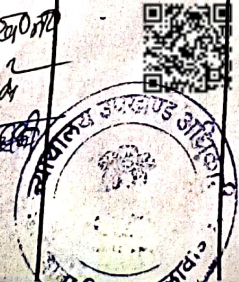

02/04/25

06/04/25

पत्रावली पेश हुई। अमपपस उपस्थित / बहस प्रारंभ 118 212 RT Act r.w.o. 039 R122 CP के परिपेक्ष्य में पत्रावली का अवलोकन किया गया। उक्त स्थान प्रारंभ को adjudicate करने के लिये इसे निम्न 03 बिन्दुओं पर ध्यान आवश्यक है :-

(अ) प्रकार प्रथम दृष्टा :- अमपपसकारान की कक्षा

के परिपेक्ष्य में ग्राम डोला की बसयलत आराम की भू-प्रबंध विभाग की पत्रावली संवत् 2022-23 के अवलोकन से स्पष्ट है कि मूल खण्ड नं 27 रकबा 8-02 बीघा, खण्ड नं 14 रकबा 07 बीघा, खण्ड नं 19 रकबा 8-14 बीघा, खण्ड नं 54 रकबा 14-11 बीघा, खण्ड नं 314 रकबा 0-07 बीघा, खण्ड नं 316 रकबा 1-05 बीघा, खण्ड नं 315 रकबा 0-17 बीघा, खण्ड नं 385 रकबा 0-09 बीघा, खण्ड नं 386 रकबा 0-05 बीघा, खण्ड नं 830 रकबा 3-10 बीघा, खण्ड नं 831 रकबा 11-08 बीघा, खण्ड नं 832 रकबा 2-16 बीघा, खण्ड नं 878 रकबा 10-11 बीघा, खण्ड नं 873 रकबा 1-10 बीघा, खण्ड नं 881 रकबा 0-16 बीघा व खण्ड नं 886 रकबा 09 बीघा कुल मिला 16 कुल रकबा 80-12 बीघा ग्राम लीतावाड़ के आकार डोला के खाते एवं रिकार्ड की प्रकृति खण्ड नं 234 रकबा 19-01 बीघा आकार पिता खेमा डोला के खाते एवं रिकार्ड की एक महिला की संपत्ति



द्वारा -14 The Hindu Succession Act 1956 के अनुसार
 अपनी absolute property होती है अर्थात् उस पर उस
 महिला को full ownership होता है जो कि स्वतंत्र रूप से
 की तरह वह किसी भी transactions को कर सकती होती
 है। अतः सीताबाई (प्राची की दादी) की जमीन की
 आराजी किता 16 हम खण्ड 80-82 वीला की प्राची
 की पति आराजी नहीं माना जा सकता है। केवल
 fourth mole Generation से undivide अर्थात् प्रथम
 संवत् की पति संवत् मानी जाती है। अतः प्राची
 के दादा कौकाल जाल से प्राची हम 1 के प्राप्त
 संवत् की ही प्रथम हस्ता central property
 माना जा सकता है। कौकाल जाल की आराजी खण्ड
 294 खण्ड 2.4.155 के समुदाय का हिस्सा 1/2
 (वर्तमान में) है। यद्यपि इसमें ~~समुदाय~~ ^{कौकाल} के सभी
 वारिसान का हिस्सा एवं नहीं है। वर्तमान में कौकाल
 की अर्ध सीताबाई पति कौकाल के खाते एवं नहीं है
 प्राची का कथन है कि सीताबाई वर्षों पूर्व पति
 ही गई थी जिसकी अर्ध विरासत से उसके
 वारिसान के खाते एवं होकर खातेदारों में
 की बंटवारा हो गया और प्रथम-पूछा खाते
 एवं ही गई है।

प्राची द्वारा ना तो सीताबाई का कोई
 नामांतरण पेश किया है और ना ही कंवारे के आदेश
 की प्रतिलिपि पेश की है। वर्तमान मसाबंड़ी संवत् 2077
 के अनुसार खण्ड 54, 830, 832, 873 व 881 किता 5
 खण्ड 5.2229 के प्राची हम 1 समुदाय के खाते
 एवं है जो सैलम में विभागा की मसाबंड़ी के प्राची
 हम 1 की मां सीताबाई के खाते एवं थी
 अतः सीताबाई की उक्त आराजी, विरासत के दादा



खाता क्रमांक से अप्रार्थी क्रम 1 के हिले को
 पर वही के दौरान कामपत्रकारों के वकील की
 सहमति व्यक्त की। वकील कामपत्रकारों को तब
 पर भी सहमत है कि शीताबाई की भूमि क्रमांक
 49, 915, 314, 386, 886 कायू पुन सोकर के हिले,
 खण्ड 44, 385, 831 क्रमा 3 खण्ड 4.2697 हेक्टर
 केवल का सोकर के हिले व खण्ड 29, 916,
 898 क्रमा 5 खण्ड 4.2424 हेक्टर शीताबाई की
 हिले काई थी। उपरोक्त आधार पर स्पष्ट है
 कि भूमि "अविभाजित भूमी" नहीं होकर "विभाजित"
 हो चुकी है और बाबिलान के दृष्टक दृष्टक खाते
 दर्ज हो चुकी हैं।

उपरोक्त विवेचन के आधार पर

ग्राम जेला तहसील पिडावा की मूलक शीताबाई
 पति सोकर की absolute property थी वकील
 में समुक्त परिवार की अविभाजित भूमि कही हो
 विभाजित होकर दृष्टक-2 खाते दर्ज होने से

खाता क्र 975 क्रमा 5 खण्ड 5.2229 हेक्टर अप्रार्थी
 की ~~द्वारा~~ संघर्ष क्रम 1 की पैतृक संपत्ति साबित
 नहीं होने से The Hindu Succession Act of
 अनुसार अप्रार्थी का पत्न से कोई हक व
 अधिकार निहित नहीं होने से Notional share
 निहित नहीं माना जा सकता है। केवल सोकर को
 से अप्रार्थी क्रम 1 की सहायसारी में प्राप्त भूमि
 खण्ड नं 234 खण्ड 2.4155 हेक्टर को ही प्रथम
 दृष्टक पैतृक अप्रार्थी माना जा सकता है शेष
 चतुर्थ दृष्टक पीछे से प्राप्त होना साबित नहीं
 है। अतः खण्ड नं 234 खण्ड 2.4155 हेक्टर $\frac{1}{2} \times 1$
 आनी 14 के दृष्टक प्रकार प्रथम दृष्टक अप्रार्थी
 के हक में लाबित है।



कार्रवाई होगी।

उपरोक्त विवेचन व विश्लेषण के आधार पर प्रार्थी का प्रावण पास शिर्ट Act r.w.o. 39 R182 CPC आंशिक रूप से स्वीकार किया जाता है। प्रार्थी क्रम 1 को अपेक्षा अनुसार इस आदेश की अस्थापना निवेदना से पावें किया जाता है कि ग्राम डोल की वास्तविक आरक्षी खण्ड नं 239 रकबा 2.455 हेक्टे में अपने वर्ग हिस्से 1/2 में से 1/4 शान्ति कुल 1/4 भाग से अधिक का रहने, विचार या अन्य अंतरण नहीं करे। प्रार्थी क्रम 2 ऐसे किसी अंतरण का पंजीयन नहीं करे। पत्रावली फैलल शुभाल होकर नम्बर से नया होकर भूमि के साथ संलग्न ही।



[Signature]
 उपजण्ड अधिकारी विभाग
 जिला झालावाड़